राजभाषा हिंदी का बदलता परिवेश

संतराम यादव
भाकृअनुप–केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद (तेलंगाना)
संवादी लेखक का ई–मेलः sant.yadav@icar.gov.in & sryadav1220@gmail.com

परिचय

इस जहां में सर्वाधिक बुद्धिमान जीव होने का श्रेय मानव को प्रदत्त है। मानवीय बुद्धिपक्ष का विकास विज्ञान से सर्वाधिक हुआ है। इसने अपनी बुद्धि के बल पर प्रकृति को चुनौतियां देकर अनेकानेक रहस्यों का पता लगाया है। मानव जीवन को अधिकाधिक सुखी बनाने हेतु ज्ञान व अनुभव की विशाल परंपरा को वैज्ञानिक रूप में प्रतिष्ठित किया है। मानव की यह सहज प्रवृत्ति है कि उसे उसकी सदा चाह रहती है जो कि उसके पास नहीं है। हमारी युवाशक्ति की देश के विकास में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है। भारतीयों ने सदैव ही हर क्षेत्र में देशवासियों की मांगापूर्ति के साथ पड़ोसी देशों को भी सहारा दिया है। कहते हैं कि कड़ी मेहनत से कोई भी व्यक्ति उन्नति के स्वर्णिम शिखर पर पहुंच सकता है। कोरोना काल का हमारा संघर्ष भविष्य की पीढ़ियों के मार्गदर्शन हेतु स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो चुका है। युवावर्ग अपनी प्रतिभा का सदुपयोग करते हुए नए कौशल सीखने के लिए प्रेरित है। वे देश को आत्मनिर्भर बनाकर अपने अपने क्षेत्र के विकास में सहभागी बनकर देश की उन्नति में सहायक बन रहे हैं। भारतीयों की यह सकारात्मक सोच ही देश में एक नई क्रांति को जन्म देने के लिए सदैव अग्रसर रहेगी। आज का युग नवीन तकनीक का युग है। मनुष्य अपने हर एक पल को जीने को आतुर है। उन्नत तकनीकियां हमारे लिए वरदान साबित हुई हैं। भाषाई तकनीकों के कायाकल्प से फोन, मोबाइल, टैब, लैपटॉप या कंप्यूटर जैसे साधन पलक झपकते ही नवीनतन जानकारी उपलब्ध कराते हैं। विज्ञान और तकनीक के सहारे पूरी दुनिया के एक वैश्विक गांव में तब्दील होने से हम सात समंदर पार अपने चहेतों से रूबरू हो रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि हमारी संस्कृति में ऋषि व कृषि परंपरा का विशेष स्थान रहा है। समय बदलता गया और नित नवीन अनुसंधानों और उन्नत तकनीकियों के कृषि में पदार्पण के कारण ज्यादा फसलोत्पादन वाली किस्में अपनाई गई जिनके फलस्वरूप हमारी फसलें न केवल पल्लवित और पोषित ही हुई अपितु परिष्कृत भी हुई। कृषि क्षेत्र में आई हरित, श्वेत, पीत, पुष्प, नील आदि क्रांतियों में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रिकल्चरल रिसर्च अथवा आईसीएआर) ने विशेष भूमिका अदा की है। कहते हैं कि असली भारत गांवों में बसता है। कृषि और पशुपालन ग्रामवासियों का मुख्य पेशा है। इनके निरंतर अथक प्रयासों से देश को दुग्ध उत्पादन में अग्रणी स्थान मिला है। कोविड महामारी के संकटकाल में विशाल जनसंख्या व पशुधन का भरण पोषण करने में हम सफल रहे हैं। कृषि सेक्टर एक नई आशा की किरण बनकर उभरा है। उन्नत तकनीकों, किस्मों व अनुसंधान परिणामों को शीघ्रता से किसानों तक पहुंचाने में राजभाषा हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका है। कहावत भी है कि भाषा भावों और विचारों की संवाहक होती है। हिंदी में साहित्य–सृजन की परंपरा भी बारह सौ साल पुरानी है। संख्याबल के आधार पर हिंदी विश्वभाषा है। हिंदी में विश्व का महत्त्वपूर्ण साहित्य अनुसृजनात्मक लेखन के रूप में उपलब्ध है। अनेकानेक भाषाओं में साहित्य अनुवाद कार्य जारी है। मोबाइल, क्लाउड, पर्सनल कंप्यूटर और इंटेलिजेंस उपकरणों तक हर क्षेत्र में हिंदी ने अपनी उपस्थिति दर्ज की है। डेटा विश्लेषण, बिग डेटा, कृत्रिम बुद्धि–मता आदि तमाम आधुनिकतम क्षेत्रों में हिंदी का प्रयोग हो रहा है। ध्वनि, मशीन अनुवाद और कंप्यूटर दृष्टि जैसे क्षेत्रों में भी हिंदी मौजूद है।

परिचर्चा

भारत एक विशाल देश है। इसका अतीत हमें सदैव खुशहाल जीवन की ओर प्रेरित करता रहता है। यहां के रीति–रिवाज भिन्न हैं। क्षेत्रीयता को ध्यान में रखते हुए यहां परंपरागत त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं। कोई भी सैलानी आसानी से हमारी विविधता में एकता से परिचित होता रहता है। सैर–सपाटे के समय कुछ ही दूरियों पर भाषा

में बदलाव उसे स्पष्ट नजर आता है। हिंदी हमारी मातृभाषा, राष्ट्रभाषा, जनभाषा, संपर्कभाषा और राजभाषा हैं। जीवन में आगे बढ़ने के लिए सकारात्मक सोच जरूरी है। अपनी प्रतिभा को तराशने से ही हम अपने जीवन को बेहतर स्वरूप प्रदान कर सकते है। आज के वैज्ञानिक युग में जब हम कम से कम समय में अधिक की चाह रखते हैं तो फिर विज्ञान उससे अछूता कैसे रह सकता है। उस चाह को पूरा करने के लिए नूतन तकनीकियों के साथ हिंदी जगतमय हो चुकी है।

कंप्यूटर पर मनवांछित भाषा में कार्य करना

आजकल कंप्यूटर, लैपटाप, टैब या मोबाइल पर अनेकानेक भाषा में कार्य करना संभव है। हम अपनी मनवांछित भाषा हिंदी को एक्टीवेट करते ही विंडोज वातावरण के अनेकानेक कंप्यूटरों में आसानी से कार्य कर सकते हैं। किसी भी कंप्यूटर पर कार्य करने के लिए हमें उसकी जानकारी उसके कंट्रोल पैनल में जाने पर सिस्टम इनफार्मेशन नामक शीर्षक से मिल जाएगी। इंटरनेट व अन्य माध्यमों से कुछ ओपन सोर्स के मुफ्त साफ्टवेयर भी मिल जाते हैं। लाइनक्स नाम का अंग्रेजी, हिंदी और तमिल में नामक वेबसाइट पर डाउनलोड हेतु उपलब्ध है।

टंकण भूलिए और बोलकर करिए

विश्व में हिंदी सर्वाधिक लोगों की पहुंच में है। जमाना बदलने से हम इनस्क्रिपट, फोनेटिक, रोमन व टाइपराइटर नामक की–बोर्ड से कार्य करने में सक्षम हैं। बदलते परिवेश में हमें टाइपिंग छोड़ नवीनतम तकनीक का लाभ उठाकर कंप्यूटर पर बोलकर ही अपना कार्य पूरा करना होगा। हमारी स्पीच को कंप्यूटर पहचानकर बोली गई भाषा में तुरंत टंकित कर देता है जिससे समय की बचत और कम समय में त्रुटिरहित कार्य पूरा होता है। हम इसमें एडिट और डिलीट भी कर सकते हैं अर्थात् अंग्रेजी वाला काम हिंदी में भी संभव है।

हस्तलिपि का टाइपिंग में बदलना

गूगल इंडिक इनपुट कीबोर्ड में अपनी उंगलियों से स्क्रीन पर लिखने का फीचर का विकल्प मौजूद होने से स्टाइलस (टचस्क्रीन पर इस्तेमाल होने वाला पेन जैसा उपकरण) का इस्तेमाल कर सकते हैं। हाथ से लिखा हुआ टाइपिंग में बदल जाता है। हम इसका मनचाही भाषा में अनुवाद भी कर सकते हैं। मोबाइल में यह सुविधा पहले ही उपलब्ध है। विंडोज–10 में हमें टास्कबार पर राइट क्लिक करके 'शो टच कीबोर्ड बटन' पर क्लिक करते ही स्क्रीन पर एक कीबोर्ड उभर आएगा। इसके सबसे ऊपरी बाएं कोने में दिए कीबोर्ड के आइकन को दबाइए और फिर दिखाई देने वाले कई आईकन्स में से स्लेट जैसे दिखने वाले आइकन पर क्लिक करते ही हमारी स्क्रीन पर जो पैनल दिखाई पड़ता है, उसपर माउस, उंगली या स्टाइलस की मदद से जो भी लिखेंगे, वह पीछे खुले हुए वर्ड डाक्यूमेंट या किसी भी दूसरी फाइल में अपने आप टाइप होने लगेगा।

फांट समस्या से छुटकारा संभव

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में मानव अकेला नहीं रहा है। वह दूसरों से संचार माध्यमों से जुड़ता रहता है। हिंदी सॉफ्टवेयरों से हमारा काम आसान अवश्य हुआ था परंतु नित नवीन फांट समस्याओं से भी जूझना पड़ता था। अब कंप्यूटरों में विश्वभर में मान्यता प्राप्त बहुप्रचलित मंगल फांट के साथ–साथ अपराजिता, उत्साह, कोकिला, निर्मला, एरियल यूनिकोड एमएस सहित लगभग डेढ सौ से भी अधिक यूनिकोड फांट प्रयोगकर्ताओं हेतु उपलब्ध हैं। पुराने फांट को यूनिकोड में बदलने हेतु टीबीआईएल सहित अनेक फांट परिवर्तक उपलब्ध हैं। इच्छित की–बोर्ड डाउनलोड भी कर सकते हैं।

पसंदीदा भाषा में ब्लॉग, वेब पेज बनाना हुआ आसान

अब हम पसंदीदा भाषा में ब्लॉग व वेब पेज बना सकते हैं। कुछ वेबसाइटों पर अपना ईमेल देकर पिक्चर, गाने, स्वयं के गीत या अपना जीवन परिचय आदि जनता–जनार्दन हेतु उपलब्ध करा सकते हैं। इंटरनेट पर साहित्य, भाषा या व्याकरण का अंबार है। राजभाषा विभाग की वेबसाइट गागर में सागर का काम कर रही है।

माइक्रोसॉफ्ट में अनुवाद व स्पैल चैक सुविधा उपलब्ध

विंडोज 10 में एमएस वर्ड में सीधे अंग्रेजी से हिंदी व हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद, हिंदी में स्पैल चैक व एडिट करना संभव हो गया है।

आपकी आवाज में ही ऑडियो ट्रांसलेशन सुविधा उपलब्ध

बदलते वख्त की बदलती तस्वीरें अब हमारे समक्ष शीघ्र पेश की जा रही हैं। अब 'गूगल ट्रांसलेशन टूल' आया है जो हमारी आवाज में ही ऑडियो ट्रांसलेट भी करेगा और पढ़कर भी सुना देगा। इस तरह किसी बात को दूसरी भाषा में समझाने या सुनने के लिए उसे टेक्स्ट फॉरमैट में लिखना नहीं पड़ेगा। यह पहला सिस्टम है जो बोलने वाले की आवाज में ही अनुवादित ऑडियो सुनाएगा। इस तरह एक्सपीरियंस असली बातचीत के बहुत करीब होगा और अलग से लंबी प्रक्रिया से नहीं गुजरना होगा। अब एक भाषा में कही हुई बात को दूसरी भाषा में बिना बीच में किसी खास बदलाव के अनुवाद किया जा सकेगा। इसके लिए यूजर्स को अपनी बात लिखकर अनुवाद नहीं करनी होगी। साथ ही यह यूजर की आवाज में ही आउटपुट भी देगा, मानो बोलने वाला खुद ही दूसरी भाषा में बात कर रहा हो। इससे यह जाहिर होता है कि नूतन तकनीक का लाभ लेकर हम मनवांछित फल पा सकेंगे। हींग लगे न फिटकरी, रंग भी चौखा आय।

स्क्रीनशॉट टेक्स्ट ट्रांसलेशन

अंग्रेजी वेबसाइट 9 to 5 Google ने अपनी रिपोर्ट में जानकारी दी थी कि गूगल लेंस में नया अपडेट आ रहा है, जिसकी मदद से स्क्रीन शॉट लेने पर ऊपर की तरफ गूगल लेंस का आइकन पॉपअप होगा, जिसपर क्लिक करते ही लेंस अपना काम करना शुरू कर देगा। इसके लिए किसी टेक्स्ट को सिलेस्ट करने की जरूरत नहीं होगी। स्क्रीनशॉट पर टेक्स्ट ट्रांसलेशन के अलावा स्क्रीन शॉट्स पर लिखे टैक्स्ट को कॉपी भी किया जा सकता है, जिसे आप ऑफलाइन में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। साथ ही इस टैक्स्ट को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और ट्विटर पर शेयर किया जा सकेगा। इसके लिए यूजर्स लैंग्वेज को ऑफलाइन इस्तेमाल के लिए डाउनलोड कर सकता है, जो स्क्रीनशॉट्स पर लिखे टैक्स्ट को ट्रांसलेट करने में मदद करेगा।

तकनीकी हस्तांतरण हेतु प्रभावकारी सरकारी व गैर सरकारी प्रयास

तकनीकी हस्तांतरण में भारत सरकार के सी–डैक, पुणे की ओर से हिंदी में किए गए कार्यों को भुलाया नहीं जा सकता। भविष्य में हमारे सामने अनेकानेक सुविधाओं से परिपूर्ण कंप्यूटर उपलब्ध होंगे जिनमें भाषा की समस्या ही नहीं आएगी। हिंदी में कहीं से भी प्राप्त सामग्री को यदि हम अपने कंप्यूटर पर देख नहीं पाते हैं तो ऐसी परिस्थिति में हमें view.encoding.utf8 करके उसे देखने या पढ़ने की कोशिश करनी चाहिए। फिर भी नहीं आए तो internet explorer में www.opera.com पर अन्य ब्राउजर बदलकर देखना चाहिए। ऐसे ही www.ildc.in (www.bhashaindia.com (www.baraha.com (www.pratibhaas.blogspot.com आदि पर भी अनेक उपकरण उपलब्ध हैं। इसलिए समय की नजाकत को पहचानते हुए हमें स्वयं को नई तकनीक से जोड़कर निरंतर प्रयास करते रहना होगा और अगली पीढ़ी के लिए बहुत कुछ संजोकर छोड़ जाने की कोशिश करनी होगी।

वैश्विक स्तर पर हिंदी की बढ़ती स्वीकार्यता

हिंदी को वैश्विक संदर्भ देने में उपग्रह–चैनलों, विज्ञापन एजेंसियों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों तथा यांत्रिक सुविधाओं का विशेष योगदान है। आज भारतीय उपमहाद्वीप ही नहीं बल्कि दक्षिण पूर्व एशिया, मॉरीशस, चीन, जापान, कोरिया, मध्य एशिया, खाडी देशों, अफ्रीका, यूरोप, कनाडा तथा अमेरिका तक हिंदी कार्यक्रम उपग्रह चैनलों के जरिए प्रसारित हो रहे हैं। हिंदी विश्व के विश्वविद्यालयों में अध्ययन अध्यापन में भागीदार है। वैश्विक स्तर पर हिंदी पत्रिकाएं प्रकाशित हो रही हैं। अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी, जापान, आस्ट्रिया जैसे विकसित देशों में हिंदी रचनाकारों की सृजनात्मकता से हम निरंतर परिचित हो रहे हैं। हिंदी शब्दकोश और विश्वकोश निर्मित करने में भी विदेशी विद्वान सहायक बन रहे हैं। हिंदी भारतीय उपमहाद्वीप के लोगों के बीच खाडी देशों, मध्य एशियाई देशों, रूस, समूचे यूरोप, कनाडा, अमेरिका तथा मैक्सिको जैसे प्रभावशाली देशों में रागात्मक जुडाव तथा विचार–विनिमय का सबल माध्यम है। हिंदी पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, फिजी, मॉरीशस, गुयाना, त्रिनिदाद तथा सुरीनाम जैसे देशों में संपर्क भाषा की भूमिका अदा कर रही है। भारतीय समाचार पत्रों संग विश्व स्तर पर बीबीसी का समाचार पत्र हिंदी में ऑनलाइन उपलब्ध है। माइक्रोसॉफ्ट का हिंदी बाजार नित नवीन उपलब्धियां हासिल कर रहा है। गूगल का सर्च इंजन

हिंदी में खोजकर इच्छित सामग्री परोस रहा है। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, सन, याहू, आईबीएम तथा ओरेकल जैसी विश्वस्तरीय कंपनियां निरंतर हिंदी प्रयोग को बढ़ावा दे रही हैं। भारत सरकार के राजभाषा विभाग ने सी–डेक, पूणे के सहयोग से मंत्र अनुवाद सॉफ्टवेयर, स्पीच टू टेक्सट और टेक्सट टू स्पीच सॉफ्टवेयर तथा प्रबोध, प्रवीण व प्राज्ञ स्तर की हिंदी सीखने के लिए लीला सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराया है।

आभासी सहायक (वर्चुअल असिस्टेंट) और हिंदी

कंप्यूटर, लैपटॉप, टैब व मोबाइल की दुनिया में अमेजान का अलेक्सा, गूगल का गूगल असिस्टेंट, माइक्रोसॉफ्ट की कोर्टाना और एपल की सिरी नामक चार वर्चुअल असिस्टेंट का बोलबाला है। इनके लिए हिंदी अब अनजान नहीं रही अपितु ये भी हिंदी समझने लगे हैं। स्मार्ट स्पीकर के रूप में अमेजान की अलेक्सा ईको डिवाइस और गूगल का गूगल होम स्मार्ट उपकरण हिंदी में न केवल सुनने ही लगे हैं अपितु जवाब भी देने लग गए हैं। अलेक्सा हमारी फरमाइश पर खबरें, इंटरनेट सर्च व संगीत सुना सकती है तो हमारे घर की बत्तियां बुझाने का काम भी कर सकती है। वीडियो कॉलिंग हेतु इसके डिस्प्ले वाले वर्जन(संस्करण) का इस्तेमाल किया जा सकता है। गूगल होम से हिंदी में बातचीत कीजिए तो वह हमें दुनिया जहान की जानकारियां लाकर दे देगा। हिंदी भाषा में हमारे आसपास के अस्पतालों की जानकारी, मौसम का हाल या हमारे एरिया के ट्रैफिक जाम की जानकारी तुरंत ही उपलब्ध हो जाती है। विंडोज–10 में उपलब्ध माइक्रोसॉफ्ट की कोर्टाना भी एक एप्लिकेशन के रूप में हमारी मदद करती है। यह हिंदी में टाइपिंग, इंटरनेट सर्च और तमाम किस्म की गणनाएं कर देती है। कोर्टाना में हिंदी अनुवाद करने, पाठ्य (टेक्स्ट) लिखने और बोलने की क्षमता मौजूद है। यह स्मार्ट स्पीकर और डिस्प्ले स्क्रीन में मिलता है। संवाद का तरीका सभी में लगभग एक जैसा है। इनमें हम बोलकर निर्देश देते हैं या पूछते हैं तो वे हमारी बातों पर अमल करते हैं।

निष्कर्ष

जैसे आशा की नई किरण सदैव अंधियारे को चीरकर उजाले के रूप में आती है। उसी तरह भारतीय भी जिंदगी और प्रकृति के थपेड़ों को सहते हुए नित नवीन खोज में संलग्न रहते हैं। कोरोना वैक्सीन का उत्पादन इसका जीता जागता प्रमाण है। हमने कंप्यूटरीकरण का श्रीगणेश व परिवर्तन देखा है। देश में कंप्यूटर का आरंभ अंग्रेजीमय था परंतु अब पसंदीदा भाषा में कार्य करना और मनवांछित फल पाना संभव हुआ है। अब आसानी से हमारी भाषा में सूचना प्राप्त होती हैं। 'स्पेल चैकर' द्वारा त्रुटियां ठीक कर लेते हैं। ऑन लाइन ई–शब्दकोश, अनुवाद, सार्टिंग सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। एक से अधिक स्थानों पर भेजे जाने वाले पत्रों हेतु मेलमर्ज का फ़ायदा ले सकते हैं। विंडोज़ प्लेटफार्म पर कार्य करना आसान हुआ है। इंटरनेट में ई–मेल और वेबपेज़ बनाने हेतु देवनागरी के यूनिकोड फांट की उपलब्धता ही इसकी समृधि का प्रतीक है। नित नवीन तकनीकियों का आगमन और उनमें हिंदी की उपलब्धता हमारे लिए वरदान साबित होती जा रही है। फेसबुक, ट्विटर, गूगल प्लस, यूट्यूब गो, यूट्यूब, टिकटॉक, स्काइप, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, थ्रीमा, श्योर स्पॉट, लिंक्डइन जैसी सोशल साइट्स पर जाइए और मन माफिक फल पाइए। पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन की अन्य भाषाओं में अनुवाद सुविधा उपलब्ध है। राजभाषा विभाग की वेबसाइट से लीला हिंदी प्रवाह, हिंदी स्वयं शिक्षण(लीला), मोबाइल ऐप, कंठस्थ व मशीन अनुवाद, ई–महाशब्दकोश, श्रुतलेखन राजभाषा (स्पीच से टेक्सट), प्रवाचक राजभाषा (टेक्सट से स्पीच) और हिंदी फांट कनवर्टर का लाभ लीजिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अब हिंदी भाषा में संवाद का तरीका आसानी से अपनाया जा रहा है। संपर्क स्थापना हेतु हस्तलिखित पत्राचार का स्थान अब मोबाइल, ईमेल या सोशल मीडिया के अनेकानेक प्लेटफार्मों ने ले लिया है। परिवर्तन सृष्टि का नियम है और नवीनतम तकनीक की हिंदी में उपलब्धता निरंतर बढ़ रही है। शेख मुहम्मद इक़बाल के साथ हमारी एक ही आवाज़ है 'हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्तां हमारा।'

राष्ट्रीयता का भाषा और साहित्य के साथ बहुत ही घनिष्ठ और गहरा संबंध है।

– डॉ. राजेन्द्र प्रसाद